

कुष्ठ रोग

पछिले कुछ महीनों से नज्जी बाज़ार में कुष्ठ रोग (Leprosy) के इलाज में इस्तेमाल होने वाली प्रमुख दवा क्लोफ़ाज़िमिइन (Clofazimine) की भारी कमी बनी हुई है।

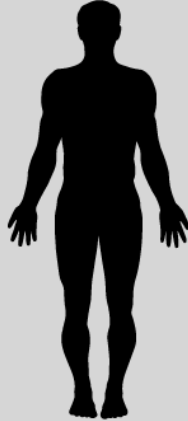
- क्लोफ़ाज़िमिइन, रफ़ैम्पसिनि और डैप्सोन के साथ मल्टीबैसिलिरी लेप्रोसी (MB-MDT) मामलों के [मल्टी-ड्रग ट्रीटमेंट](#) में तीन आवश्यक दवाओं में से एक है।

LEPROSY

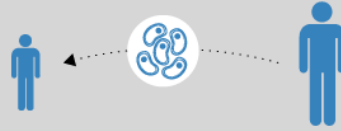
(bacteria)

Leprosy is a chronic disease that has afflicted people for millennia. Caused by bacteria which affects the skin and nerves, throughout history it resulted in disfiguring deformities of the limbs, hands and feet and face, and blindness, leaving a legacy of human suffering involving rejection and exclusion from society. Leprosy is not highly contagious but many are still infected and affected worldwide. Despite the infection being treatable with a long course of antibiotics, the lack of education and stigma surrounding the disease means that many people are still diagnosed too late to prevent disabilities. Global efforts over the past 20 years, have cured more than 14 million leprosy patients reducing the prevalence of the disease by 90%.

Leprosy is a disfiguring infectious disease caused by a bacteria that affects the skin and nerves and mucous membranes



Leprosy is known to occur at all ages ranging from early infancy to very old age. The way it is thought to be transmitted is through close, extended contact with someone with leprosy.



It usually takes between **2 - 10 years** for symptoms of leprosy infection to appear after a person is infected with leprosy-causing bacteria.

The main signs and symptoms are:



Faded or discoloured patches of skin, disfiguring skin sores, lumps or bumps that do not go away



Nerve damage that leads to a loss of feeling in the arms and legs, with secondary trauma and infection going unnoticed and leading to deformities of hands and feet.



Muscle weakness and paralysis -especially of the hands and feet



Eye problems that may lead to blindness



Antibiotic treatment will stop leprosy's progress which makes early detection important.

कुष्ठ रोग:

- **कुष्ठ रोग के बारे में:**
- कुष्ठ रोग एक पुराना, प्रगतशील जीवाणु संक्रमण है। यह 'माइकोबैक्टीरियम लेप्रे' नामक जीवाणु के कारण होता है, जो एक 'एसडि-फास्ट रॉड' के आकार का बेसिलस है। यह मुख्य रूप से हाथ-पाँव, त्वचा, नाक की परत और ऊपरी श्वसन पथ की नसों को प्रभावित करता है। इसे हैनसेन डजिज़ के नाम से भी जाना जाता है।
 - यह त्वचा के अल्सर, तंत्रिका क्षति और मांसपेशियों को कमजोर करता है। यदि समय पर इसका इलाज नहीं किया जाए तो यह गंभीर विकृति और विकलांगता का कारण बन सकता है।
 - यह इतिहास में दर्ज सबसे पुरानी बीमारियों में से एक है।
 - यह कई देशों विशेष रूप से भारत सहित उष्णकटिबंधीय या उपोष्णकटिबंधीय जलवायु वाले देशों में आम है।
- **रोग का प्रसार:**
 - **वशिव स्वास्थ्य संगठन (WHO)** की रिपोर्ट के अनुसार, कुष्ठ रोग कई भारतीय राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में **स्थानिक** है, भारत में प्रति 10,000 जनसंख्या पर 4.56 प्रतिशत वार्षिक मामले सामने आने की दर है।
 - भारत प्रत्येक वर्ष कुष्ठ रोग के 1,25,000 से अधिक नए रोगियों की रिपोर्ट करता है।

संबंधित सरकारी पहल:

- **राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम (NLEP):**
 - यह **राष्ट्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय (NHM)** के अंतर्गत **केंद्र प्रायोजित योजना** है।
 - भारत ने राष्ट्रीय स्तर पर एक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में कुष्ठ रोग के उन्मूलन का लक्ष्य प्राप्त कर लिया है, अर्थात् प्रति 10,000 आबादी पर 1 से कम मामले के रूप में परिभाषित किया गया है।
 - NLEP का लक्ष्य वर्ष 2030 तक प्रत्येक ज़िले में कुष्ठ रोग को समाप्त करना है।
- जागरूकता को बढ़ावा देने और भेदभाव के मुद्दों को संबोधित करने के लिये वर्ष 2017 में **सपरश कुष्ठ जागरूकता अभियान** शुरू किया गया था।

स्रोत: द हट्टि

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/leprosy-5>

